उत्तर—दक्षिणी अमेरिका पर जो भूस्वरूप मिलते हैं, उनमें एण्डीज पर्वत श्रेणियाँ तथा पूर्व और पश्चिम में गियाना ब्राजीलियन एवं पैंटेग्रोनियन नामक उच्च भूमि है। इनके मध्य में वे निम्न क्षेत्र विद्यमान हैं, जो उपर्युक्त उच्च भूमियों के मध्य में स्थित हैं। जैसे—उत्तर से दक्षिण ओरनिको गर्त, अमेजन बेसिन, पराना पराग्वे बेसिन तथा पैंपा प्रदेश। इस महाद्वीप को भू-आकृति की दृष्टि से निम्नांकित प्रदेशों में बाँटा जा सकता है—

(i) एण्डीज पर्वतमाला, (ii) पठारी प्रदेश, (iii) नदी बेसिन, (iv) तटीय भाग।

एण्डीज पर्वतमाला—एण्डीज विश्व के महान् पर्वतों में से एक है, जो महाद्वीप के पश्चिमी तट एवं पूर्वी भागों के मध्य एक प्राकृतिक अवरोध का कार्य करता है। दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर इसका विस्तार 7200 किमी है। इसकी चौड़ाई 160 से 600 किमी है। इसकी औसत ऊँचाई 6000 मीटर से अधिक है किन्तु अनेक हिमाच्छादित चोटियाँ 6900 मीटर ऊँची हैं। एण्डीज नवीन मोड़दार पर्वतक्रम के अन्तर्गत आती है। यह दक्षिणी गोलार्द्ध की सर्वप्रथम पर्वतमाला है। इस पर्वतमाला को कार्डिलेरा के नाम से पुकारते हैं। कार्डिलेरा स्पेनी शब्द है जिसका अर्थ शृंखला है। यह विश्व में सबसे लम्बी अनवरत् श्रेणी है, जिसका विस्तार प्रशांत महासागर तट पर पनामा थल संयोजक से हॉर्न अन्तरीप तक है। कार्डिलेरा महाद्वीप के पश्चिमी तट पर सर्प की आकृति में तट के लगभग समानांतर विस्तृत है। यह उत्तर में त्रिनिदाद द्वीप से प्रारम्भ होकर दक्षिण के स्टाटन द्वीप तक विस्तृत है।

अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से इस पर्वतमाला को तीन भागों में बाँटा गया है—

(अ) उत्तरी पर्वतमाला, एक्वेडर राज्य में 'रियल कार्डिलेरा' के नाम से पुकारी जाती है। इसके पूर्वी भाग में क्यांबे एवं कोटोपैक्सी नामक पर्वत श्रेणियाँ तथा पश्चिमी भाग में इल्लिनिजिया चिबेरेजो पर्वत श्रेणियाँ पाई जाती हैं। कोलंबिया राज्य के अन्तर्गत इस पर्वतमाला को 3 श्रेणियों में बाँटा जा सकता है—(i) पूर्व में कार्डिलेरा ओरियंटल, (ii) पश्चिम में कार्डिलेरा ऑक्सीडेंटल तथा (iii) मध्य में कार्डिलेरायिल टोलिमा चोटी। वेनेजुएला राज्य में इस पर्वतमाला की दो शाखायें माराकाइबो झील को दो ओर से घेरे हैं। सम्पूर्ण उत्तरी पर्वतमाला से इक्वेडोर, कोलंबिया तथा वेनेजुएला राज्यों में कई नदियाँ निकलकर उत्तर एवं पूर्व की ओर प्रवाहित होती हैं। माराकाइबो झील के निकट समतल मैदानी भाग पाया जाता है।

(ब) मध्यवर्ती पर्वतमाला के अन्तर्गत—(i) प्रशांत तटवर्ती पर्वतमाला, (ii) पूर्वी भाग में स्थित पर्वतमाला, जिसे कार्डिलेरा डेकराबाया के नाम से संकेत करते हैं तथा (iii) मध्यवर्ती पर्वतमाला का मध्य भाग (समानान्तर और लम्बवत् घाटियों वाला क्षेत्र) आते हैं। इस पर्वतमाला पर दक्षिणी पीरु में तुलूयाका, ओमाक तथा मिस्ती ज्वालामुखी पर्वत पाये जाते हैं। कार्डिलेरा डेकरबाया भाग, जो अविच्छिन्न अवस्था में है, पीरु की मध्यवर्ती पर्वतमाला का ही एक हिस्सा है। बोलीविया राज्य में एंडीज पर्वतमाला एक उच्च पठार के समान है, जिनके निकट उच्च श्रेणियों का विस्तार है।

बोलीविया राज्य में मध्यवर्ती पर्वतमाला पर औल्लगास अथवा पूषेखारे पानी की झील तथा पीरु की सीमा पर स्थित विश्व की विशाल मीठे पानी की झील टीटीकाका है।

(स) एंडीज की दक्षिणी पर्वतमाला सामान्य रूप से दो समान श्रेणियों में विभक्त की जा सकती है। प्रथम प्रशांत तटवर्ती माला जो पर्याप्त विच्छिन्न स्थिति में है, क्योंकि इस पर अनेक नदियाँ आकर बहती हैं। इसकी ऊँचाई लगभग 3660 मी० है। दूसरी पर्वतमाला अर्जेन्टाइना राज्य की सीमा निर्धारित करती है, इसे एंडीज की मध्यवर्ती पर्वतमाला भी कहा जाता है। इसका विस्तार टेराडेला फ्यूगो से लेकर स्तातन द्वीप तक है। इसकी ऊँचाई उत्तर में 6400 मीटर तथा दक्षिण में क्रमशः कम होती हुई लगभग 1500 मीटर रह जाती है।

पठारी प्रदेश—अफ्रीका की तरह दक्षिणी अमेरिका पठारों का देश नहीं है। तथापि वहाँ गोंडवाना लैंड के विखंडन से उपस्थित शील्ड के रूप में पठार पाये जाते हैं। इन पर भूमिगत हलचलों का लगभग नगण्य सा प्रभाव है किन्तु फिर भी ये विश्व के दृढ़ भूखण्डों में गिने जाते हैं। इस महाद्वीप के मुख्य पठार निम्नलिखित हैं—

(अ) ब्राजील का पठार—उत्तर में अमेजन बेसिन, दक्षिण पश्चिम में

पराना पराग्वे बेसिन और पूर्व में अटलांटिक महासागर में आवृत्त यह पठार दक्षिण अमेरिका के मध्य पूर्व में स्थित है। इसकी सामान्य ऊँचाई 400 से 1100 मीटर है। खनिज सम्पदा की दृष्टि से यह पठार महत्वपूर्ण है। जलवायु और मिट्टी की उपादेयता के कारण यहाँ कृषि भी सफलतापूर्वक की जाती है।

(ब) पैंटागोनिया का पठार—अर्जेन्टाइना में रियोकोलोरेडो के दक्षिण से महाद्वीप के अन्तिम सिरे तक इस पठार का विस्तार है। कठोर जलवायु के कारण यह पठार ब्राजील के विपरीत वीरान रहता है। पठार के पश्चिम में एण्डीज पर्वत और पूर्व में अटलान्टिक महासागर तटवर्ती भूमि है। इस मरुभूमि पर अनेक विदीर्ण पठार हैं, जिनकी ऊँचाई पश्चिम की ओर क्रमशः बढ़ती गयी है। पैंटागोनिया पठार की ऊँचाई 300 से 900 मीटर तक है। पश्चिम की ओर यह ऊँचाई 1500 मीटर हो गई।

(स) गुयाना पठार—यह पठार वेनेजुएला, गुयाना, सूरीनाम और फ्रेंच गुयाना में स्थित है। इसकी पूर्वी सीमा अमेजन नदी के मुहाने के कुछ पहले और पश्चिमी सीमा ओरिनको नदी द्वारा निर्धारित होती है। पठारी भाग की सामान्य ऊँचाई 900 मीटर से 1800 मीटर के मध्य है। जो क्रमशः पूर्व की ओर घटती जाती है। यह फ्रेंच गुयाना में 400 मीटर रह जाती है। पश्चिम में यह पठार पूर्व की अपेक्षा अधिक ऊँचा है। समुद्री जलवायु अनुकूल और संसाधन सम्पन्न यह पठारी भाग अनेक कारणों से आकर्षण का केन्द्र रहा है।

नदी मैदान (बेसिन)—दक्षिणी अमेरिका का लगभग 50% भाग नदी मैदानों के रूप में मिलता है। यहाँ के प्रमुख नदी बेसिनों का विस्तार लगभग 9 लाख वर्ग किलोमीटर भूमि पर है। यहाँ के प्रमुख नदी बेसिन निम्नलिखित हैं—

(अ) ओरिनको बेसिन—इस बेसिन में ओरिनको व इसकी अनेक सहायक नदियाँ बहती हैं। यह मैदानी भाग घास से ढका रहता है। इसे 'लानोज' के नाम से भी पुकारते हैं। यह 5° उत्तरी अक्षांश से 10° उत्तरी अक्षांश तक विस्तृत है। ओरिनको बेसिन मुहाने पर संकीर्ण और अन्दर की ओर विस्तृत है। इसका अधिकांश भाग वेनेजुएला राज्य में आता है। इस राज्य की पर्वत श्रेणी द्वारा ओरिनको और अमेजन बेसिन अलग होते हैं। इसकी ऊँचाई 200 मीटर से कम है। इसके उत्तर पश्चिम में एण्डीज पर्वत तथा दक्षिण में गुयाना का पठार है। ओरिनको नदी अपने प्रवाह में मात्र 33 मीटर उतरती है। यह 160 किलोमीटर लम्बे और 320 किमी० चौड़े मैदान का निर्माण करती है। इस मैदानी भाग में जलोढ़ और क्वार्टनरी युग के जमाव पाये जाते हैं। मैदान का निचला भाग समतल होने के कारण बाढ़ से प्रभावित होता रहता है। ओरिनको नदी का मार्ग घुमावदार व घाटियाँ चौड़ी और सपाट हैं।

(ब) अमेजन बेसिन—यह विश्व में सबसे लम्बा बेसिन है। इसकी आकृति त्रिभुजाकार है। यह मुहाने पर संकरा व अन्दर की ओर चौड़ा है। इसकी रचना

तृतीय महाकल्प के उत्तरार्द्ध में तथा चतुर्थ महाकल्प में हुई है। इसका निर्माण बालू, मृत्तिका तथा बजरी से हुआ है। इस मैदान का विस्तार पूर्व-पश्चिम तथा औसत ऊँचाई 140 मीटर से कम है। अमेजन बेसिन के उत्तर में गुयाना पठार, दक्षिण में ब्राजील पठार तथा पश्चिम में एण्डीज पर्वत है। अमेजन हुआनोको नगर के पास स्थित एण्डीज पर्वत से लौरीकोचा नामक झील से निकलती है। इस स्थान से यह नदी एक गहरी अपरदित घाटी में उत्तर की ओर बहती हुई रिओसैंटीयागो का जल लेकर उत्तर पूर्व की ओर मुड़कर अनेक गहरे खड्डों में होकर बहती है। यह नदी अपनी अन्तिम 3200 किमी० की यात्रा में 115 मीटर मात्र उतरती है। यह बेसिन सघन वनों से आच्छादित है। बेसिन का लगभग 1/10 भाग प्रायः बाढ़ से प्रभावित होता रहता है। यह भाग बहुत नीचा है। उच्चावच की दृष्टि से इस बेसिन के 3 भाग किये जा सकते हैं। (i) ऊपरी अमेजन का मैदानी भाग (ii) मनौस नगर तक मध्यवर्ती मैदानी भाग, (iii) मनौस से मरोज द्वीप (अमेजन के मुहाने पर स्थित) तक विस्तृत अमेजन का निचला भाग।

(स) पराना पराग्वे बेसिन—इस मैदानी भाग का विस्तार उत्तर दक्षिण दिशा में मिलता है। इसका अधिकांश भाग अर्जेंटाइना, युरुग्वे तथा पराग्वे में है। इसके अलावा कुछ मैदानी भाग दक्षिणी पोलिविया में विस्तृत है। इसके अन्तर्गत मैसोपोटामिया, पम्पास और चाको के मैदानी भाग आते हैं। मैसोपोटामिया का मैदानी भाग, पराना और पराग्वे नदियों के बीच विस्तृत है। पम्पास का मैदानी भाग कृषि के लिये अनुपयुक्त है, क्योंकि इस भाग में बालू के टीले तथा कोस्का (चूना पत्थर) का प्रभाव पड़ता है। चाको का मैदानी भाग पर्याप्त संकरा और दलदली है।

तटीय भाग—महाद्वीप का प्रशान्त तटवर्ती भाग अधिक संकरा है। यह पीरु के उत्तर पश्चिमी भाग और गुआकिल की खाड़ी के पास कुछ चौड़ा हो गया है। यहाँ इसकी चौड़ाई 100 किमी० हो गयी है। इस तटवर्ती भाग का आर्थिक महत्व कम है। यह तट संकरा होने के साथ एण्डीज से विलगाव रखता है।

दक्षिणी अमेरिका का पूर्वी तट रायोग्रेंडे डी सुल से दक्षिण की ओर विस्तृत है जो रायोग्रेंडे डी सुल से उत्तर की ओर पर्याप्त संकरा हो गया है। इस तटवर्ती भाग की चौड़ाई 150 से 200 किमी० के मध्य पायी जाती है। यह तटवर्ती मैदानी भाग ब्यूनस आयर्स के निकट पम्पास के मैदानी भाग से जुड़ गया है। अतः पूर्वी तट अधिक उपयोगी हो गया है। इसके अलावा यह तटीय भाग काफी कटा-छंटा भी है, जिसमें बन्दरगाह विकसित किये हैं।

उत्तरी तटीय भागों में (i) मकाया से पूर्ववर्ती तटीय मैदान तथा (ii) मकाया से पश्चिमीवर्ती तटीथ भाग उल्लेखनीय है। मकाया से पूर्ववर्ती तटीय मैदान नदियों (ब्राजील के पठार से आने वाली) के अवसादों से आच्छादित है। मकाया से पश्चिम

वर्ती तटीय मैदान के मध्य में गुयाना की पहाड़ियों के अवशेष दिखायी देते हैं। इसके अलावा उरीन की खाड़ी का तटवर्ती भाग तथा मराकाइबो झील का तटवर्ती भाग (विस्तार 100 से 200 किलोमीटर तक) भी उपयोगी मैदान के रूप में है।